नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली)

दिनांक 16.12.2025 को सम्पन्न समिति की 13वीं बैठक का कार्यवृत्त

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), उत्तरी दिल्ली 13वीं बैठक डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष नराकास, उत्तरी दिल्ली और पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में दिनांक 16 दिसम्बर, 2025 को पूर्वाह्न 11:30 बजे कृषि अभियांत्रिकी विभाग सभागार, भा.कृ.अ.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आई.ए.आर.आई.), पूसा, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। बैठक की तिथि पर कुल 71 सदस्य कार्यालय पंजीकृत थे। बैठक में विभिन्न कार्यालयों से आए 110 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिए।

बैठक का आरंभ श्री उमाकान्त दुबे, सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), उत्तरी दिल्ली एवं संयुक्त रजिस्ट्रार, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा स्वागत भाषण के माध्यम से आरम्भ हुआ, उन्होंने मुख्य अतिथि और मंचासीन गणमान्य अतिथियों का स्वागत पुष्पगुछ द्वारा किया, साथ ही उन्होंने बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्यों एवं कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ई.पी.एफ.ओ.) के आयुक्त-उपायुक्त का भी हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने बताया कि, "राजभाषा विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व सौंपा गया है जिसे अध्यक्ष महोदय के निर्देशन में सभी सदस्य कार्यालयों से दिए गए सहयोग व सुझाव से नराकास, उत्तरी दिल्ली प्रगति की ओर अग्रसर है"

श्री अशोक कुमार, सहायक निदेशक (राजभाषा), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्य कार्यालयों से प्राप्त छमाही रिपोर्ट की समीक्षा प्रस्तुत की। उन्होंने विभिन्न कार्यालयों द्वारा किए जा रहे हिन्दी कार्यों की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला तथा उन्होंने उन कार्यालयों का भी उल्लेख किया जहां हिन्दी अधिनियमों के पालन में कमी देखी गयी तथा जिन कार्यालय से रिपोर्ट प्राप्त ही नही हुई। इसके साथ ही उन्होंने सभी कार्यालयों को अधिक से अधिक हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया, राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) और नियम 5 का अनुपालन करने का आग्रह किया और भाषाई कार्य सुधार हेतु आवश्यक सुझाव एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

त्रि. महापात्र

श्री श्रीनिवास मीणा, निदेशक, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपने वक्तव्य में अवगत कराया कि आजकल कुछ लोग हिन्दी में काम करना अपनी शान के खिलाफ समझते हैं, लेकिन हम सभी को हमारी भाषा में कार्य करने पर गर्व होना चाहिए। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा हुआ संगठन है और जिसमें अधिकतम कार्य हिन्दी में ही किया जाता है। उन्होंने अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने के लिए सभी से निवेदन किया।

श्रीमती गरिमा श्रीवास्तव, सचिव, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल मंचासीन और सभा में उपस्थित सभी का अभिनंदन किया, उन्होंने बताया कि राजभाषा का प्रचार-प्रसार के लिए सरकार द्वारा प्रयास किए जा रहे है और नराकास के सदस्य होने के कारण हमारा उत्तरदायित्व और बढ़ जाता है। हम सबको इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए और हिन्दी उपयोग को प्रोत्साहित करना चाहिए। हिन्दी हमारी मातृभाषा है और इसके उपयोग के लिए हम ही पीछे हो जाते, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हमें

अपनी माता का सम्मान करना चाहिए। बच्चों को हिन्दी माध्यम में पढ़ाना नहीं चाहतें है और घर में भी हिन्दी का कम उपयोग कर रहे है। अतः घर में हिन्दी का प्रयोग करना चाहिए हिन्दी की शब्दावली का ज्ञान होना चाहिए। रूस के राष्ट्रपति का जब भारत आगमन हो रहा था सिनेमा का उदाहरण देते हुए हिन्दी को बढ़ावा दिया गया। नराकास के सभी सदस्य कार्यालय हिन्दी में अच्छा कार्य कर रहे है और उनसे अनुरोध है कि उन्हें हिन्दी कार्य करते रहना चाहिए।

डॉ. दिपाक्षी शाह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान के विषय में अवगत कराते हुए कहा कि "कोडिंग" में कार्य करते है और "कोडिंग" अभी हिन्दी में प्रारम्भ नहीं हुई है और यह अंग्रेजी भाषा का उपयोग करने को बाध्य करती है। इसके अतिरिक्त हिन्दी भाषा कर्मचारी अधिक है और हिन्दी अधिकतर उपयोग करने में गर्व महसूस करते है। संस्थान की

सभी प्रयोगशालाएं सम्पूर्ण भारत में प्रसारित है और सभी में पत्राचार हिन्दी में किए जाते है। ईसा द्वारा "आइडल आर्गेनाइजेशन फोर" हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें देवेन्द्र मेवाड़ी विज्ञान लेखक प्रतिभाग किए थे।

खुली चर्चा व विचार विमर्श के दौरान कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों ने हिन्दी में अपने संदेह दूर करने के लिए मंच पर उपस्थित अधिकारियों से खुली चर्चा व सुझाव व्यक्त किए, जो निम्नवत है:

- डॉ. सुशील कुमार भारती, चिकित्सा अधीक्षक, इंदिरा गांधी कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल, झिलमिल हिन्दी का उपयोग करते है उनके कार्यालय में सभी नोटिंग हिन्दी में की जा रही है।
- मो. इकरार अहमद, वरिष्ठ प्रबंधक, भारतीय सर्वेक्षण मुद्रणालय द्वारा अवगत कराया गया कि उनके कार्यालय द्वारा मानचित्रों का मुद्रण हिन्दी भाषा में किया जा रहा है और यह सभी कार्यालयों, केन्द्रीय विद्यालयों और अन्य संस्थानों में निशुल्क वितरण किया जा रहा है।

- श्रीमती ईरा गुप्ता, प्रकाशन विभाग, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, पूरे भारत में परिवर्तन का कार्य करते है जो राजपत्रित अधिसूचना के माध्यम से होता है। संविधान की प्रतिलिपि सुरक्षित है, स्वतंत्रता से पहले सेवा का कार्य कर रहे है। केवल एक मात्र ऐसा कार्यालय है नराकास से शुरू से जुड़े है, सभी कार्यन हिन्दी में करते है सभी लोग हिन्दी में ही कार्य करने का सुझाव दिया और बताया कि अंग्रेजी हमने बाद में सीखी है, हिन्दी अन्य भाषाओ को समाहित करती है जो प्रमुख होते है। अतः हमारा उत्तरदायित्व है की हिन्दी का कार्य की नदी प्रवाह भांति प्रसारित होता रहे।

- इ. अमन दहिया, कार्यकारी अभियंता, परिचालन एवं अनुरक्षण मंडल ने बताया कि कार्यालय व घर पर हिन्दी के शब्दों का प्रयोग करने से हिन्दी में बहुत सुधार होता है। हम हिन्दुस्तानी है और हिन्दी मधुभाषी है जिससे स्वभाव में बदलाव आता है।

- श्री प्रवीन, प्रशिक्षण अधिकारी, क्षेत्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता निदेशालय ने बताया कि अधिकांश कार्य हिन्दी में किया जा रहा है और सुझाव दिया कि संसदीय समिति की

रिपोर्ट/प्रश्नावली को भरना अधिक कठिन कार्य है और इस प्रश्नावली को छोटा किया जाना चाहिए।

- श्री वीरेन्द्र चौधरी, सहायक निदेशक (अभि.) राजभाषा, प्रसार भारती, भारतीय लोक सेवा प्रसारक द्वारा नराकास के बारे में कविता पाठ प्रस्तुत किया गया, जो निम्न प्रकार है:

"नराकास हिन्दी की सशक्त पहचान
हिन्दी के उत्थान का पथ जो दिखाए
नराकास हर नगर में दीप जलाए
शासन, प्रशासन, बैंक, उपक्रम सारे
हिन्दी के सूत्र में सबको बांध करें हिन्दी का प्रचार
कार्यशाला, गोष्ठी आयोजन अपार
पत्राचार हो रिपोर्ट या व्यवहार
सरल बने भाषा, पहुँचे जन-जन द्वार
कर्मचारियों में जगाए चेतना नई
हिन्दी से ही हो काम-काज में लय सही
सम्मान, पुरस्कार, प्रोत्साहन का भाव
नराकास बढ़ाएं हिन्दी का प्रभाव
आओ मिलकर ले यह पावन संकल्प
हिन्दी में करें हर दायित्व सरल
राजभाषा का गौरव बढ़े हर बार
नराकास से सजे हिन्दी का संस्कार"

डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल, रजिस्ट्रार जनरल, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार सभी गणमान्यों और सभागार में उपस्थित सभी कार्यालय प्रमुखों का स्वागत किया। वह प्राधिकरण की आंतरिक हिन्दी समिति के अध्यक्ष है और प्राधिकरण में हिन्दी कार्य की उपलब्धियां अच्छी रही है, पिछली बैठक के सुझाव का अनुपालन किया गया। Unacademy के विज्ञापन की पंक्ति "आसमान में रखा क्या जरा आगे जाते है" के माध्यम से बताया कि निःसंन्देह हमने हिन्दी के क्षेत्र में अच्छा कार्य किया हैं परन्तु हिन्दी कार्य करते रहना चाहिए । राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा

3(3) और नियम 5 का अनुपालन मात्र एक रस्म अदायगी न हो, यह केवल दस्तावेजों तक सीमित न हो अपितु यह हमारा उत्तरदायित्व है कि हिन्दी का प्रचार प्रसार होता रहे। प्राधिकरण भारत सरकार का संवैधानिक प्राधिकरण है और यह बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रदान करता है कृषकों और पादप प्रजनकों के अधिकार का संरक्षण करता है। हमारे अधिकांश हितग्राही कृषक ही है अतः हमारा सदैव यह प्रयास होता है कि हिन्दी में ही पत्राचार किया जाए। कार्यशाला आयोजन में हिन्दी वक्ता को बुलाया जाता है; अतिथि वक्ता न सिर्फ आए अपितु हम उनसे कुछ कौशल सीखे।

डॉ. सी एच श्रीनिवास राव, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान कार्यक्रम के अध्यक्ष और मंचासीन गणमान्यों सहित सभागार में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि मैं आंधप्रदेश से हूँ; तेलगू मेरी मातृभाषा है; मातृभाषा का दिन धूमधाम से मनाया जाता है। हिन्दी में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का पुरस्कार समारोह और फरवरी में 3 दिन का किसान मेला का आयोजन किया जाता है जिसमें हिन्दी में काम किया जाता है। हिन्दीतर भाषियों को हिन्दी में प्रस्तुति करने में आनंद महसूस करना चाहिए। भारतीय भाषा हिन्दी को आगे लेकर जाना चाहिए। आज बैठक से उन्होंने शब्द 'सक्षम रूप' सीखा और हिन्दी रिपोर्ट समीक्षा में "उल्लंघन" शब्द के स्थान पर "सुधार करें" शब्द का प्रयोग किए जाने का सुझाव दिया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, नराकास, उत्तरी दिल्ली और पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों का नराकास की 13वीं बैठक में स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने अवगत कराया कि वार्षिक कार्यक्रम वर्ष में 2 बार आयोजित होना चाहिए जो कार्य आधिक्य के कारण नहीं हो पा रहा था। संसदीय राजभाषा समिति की बैठक में चर्चा हुई थी कि नराकास की छमाही बैठक में कार्यालय प्रमुख की उपस्थिति अनिवार्य; तब ही बैठक सार्थक होती है। जब अगली बैठक करेंगे तो इन प्रस्तुति में आई कमियों जैसे पुस्तक खरीद, पत्रिका प्रकाशन, कार्यशाला आयोजन आदि को पूर्ण करेंगे। संसदीय समिति का सुझाव केवल 7 कार्यालय के लिए नहीं अपितु सभी के लिए था। फाइलों में हिन्दी कार्य किया जाए और हिन्दी अनुवाद के लिए कंठस्थ टूल का उपयोग किया जाए। नराकास की सफलता के लिए प्रयास करते रहें और प्रयास रहेगा तो प्रयोग बढ़ेगा। प्रचार प्रसार पत्रिका प्रकाशन के माध्यम से ही होता है। प्रकाशन सभी संस्थानों को करना चाहिए। समय समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए।

त्रि. महापात्र

श्री उमाकान्त दुबे, सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), उत्तरी दिल्ली एवं संयुक्त रजिस्ट्रार, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण दिनांक 31 दिसम्बर, 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे है; जिनका सम्मान अध्यक्ष, नराकास, उत्तरी दिल्ली और पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण द्वारा पुष्पगुच्छ व शाल देकर किया गया।

कार्यवाही बिंदु:

1. अगली बैठक अप्रैल माह के अंत व मई माह के शुरुआत में किया जाए।
2. अगली बैठक की सूचना एक माह पूर्व प्रदान की जाए, जिससे कार्यालय प्रमुख समय निर्धारण कर सके।
3. पत्रिका के प्रकाशन के लिए एक निम्नवत समिति का गठन किया जाए:
    i. श्री जय नारायण, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला डॉ. के. एस. कृष्णन मार्ग, नई दिल्ली- समिति अध्यक्ष
    ii. श्रीमती मीनाक्षी गौड़, राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान डॉ. के. एस. कृष्णन मार्ग, नई दिल्ली-110012 – सदस्य
    iii. श्रीमती ईरा गुप्ता, प्रकाशन विभाग, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, सिविल लाइन्स, दिल्ली - सदस्य सचिव
4. पत्रिका प्रकाशन के लिए सभी कार्यालयों से लेख मंगाए जाए और अगली बैठक में पत्रिका का विमोचन किया जाए।
5. समय समय पर सदस्य कार्यालय का निरीक्षण किया जाए।
6. सभी संस्थानों को अपने-अपने कार्यालय में हिन्दी प्रतियोगिता आयोजित करनी चाहिए जिससे हिन्दी में प्रवीणता आए।
7. सभी कार्यालयों में हिंदी कार्यान्वयन कराया जाए।

श्री अशोक कुमार, सहायक निदेशक (राजभाषा), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात् बैठक संपन्न हुई।

ति. महापात्र